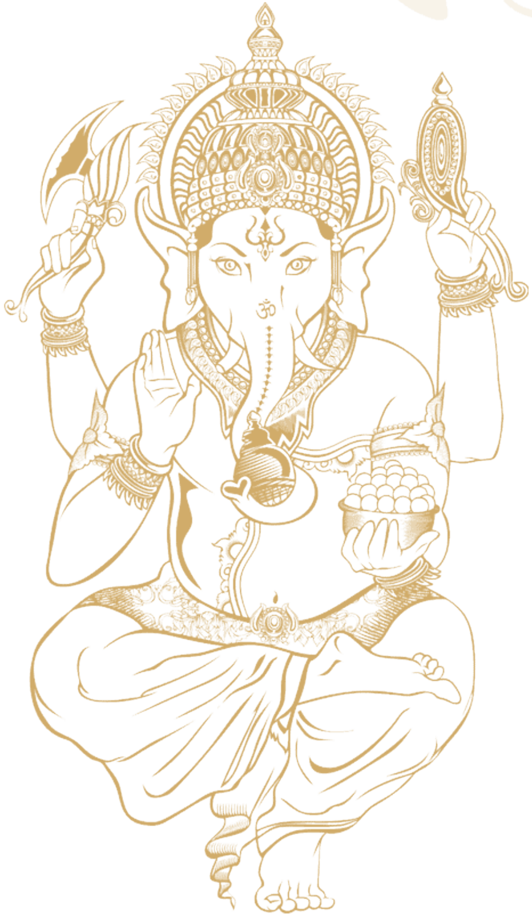

Gaurav Shukla

Priti Mishra

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121016801

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121016801 Date: 22/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25/11/1999	जन्म तिथि	22/05/2000
गुरुवार	दिन	सोमवार
घंटे 23:10:00	जन्म समय	21:30:00 घंटे
घटी 41:54:43	जन्म समय(घटी)	40:47:59 घटी
India	देश	India
Jaunpur	स्थान	Palghar
25:44:00 उत्तर	अक्षांश	19:42:00 उत्तर
82:41:00 पूर्व	रेखांश	72:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:44	स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:24:06	सूर्योदय	06:01:07
17:08:06	सूर्यास्त	19:09:48
23:51:05	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:29
सिंह	लग्न	धनु
सूर्य	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
मिथुन	राशि	धनु
बुध	राशि-स्वामी	गुरु
आर्द्रा	नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा
राहु	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
3	चरण	4
साध्य	योग	शुभ
विष्टि	करण	बालव
ङ--	जन्म नामाक्षर	ढा-ढपली
धनु	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन
शूद्र	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	मानव
श्वान	योनि	वानर
मनुष्य	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	मध्य
मार्जार	वर्ग	श्वान

Astro.Pt.Premshankar Sharma
Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

अंश	राशि		ग्रह		राशि	अंश
02:07:14	सिंह		लग्न		धनु	10:17:06
09:08:56	वृश्चि		सूर्य		वृष	07:59:31
13:46:21	मिथु		चंद्र		धनु	25:49:16
05:43:33	मक		मंगल		वृष	19:15:07
21:48:00	तुला		बुध		वृष	23:14:39
02:13:00	मेष	व	गुरु		मेष	27:27:20
24:25:26	कन्या		शुक्र		वृष	02:38:50
18:21:12	मेष	व	शनि		मेष	28:06:07
11:49:18	कर्क	व	राहु	व	कर्क	01:57:18
11:49:18	मक	व	केतु	व	मक	01:57:18
19:29:02	मक		हर्ष		मक	26:57:49
08:14:16	मक		नेप	व	मक	12:39:40
16:12:29	वृश्चि		प्लूटो	व	वृश्चि	17:57:15

विंशोत्तरी

राहु 8वर्ष 4मा 26दि

शनि

22/04/2024

23/04/2043

शनि	26/04/2027
बुध	03/01/2030
केतु	12/02/2031
शुक्र	14/04/2034
सूर्य	27/03/2035
चन्द्र	25/10/2036
मंगल	04/12/2037
राहु	10/10/2040
गुरु	23/04/2043

विंशोत्तरी

शुक्र 1वर्ष 3मा 6दि

राहु

28/08/2024

29/08/2042

राहु	12/05/2027
गुरु	04/10/2029
शनि	10/08/2032
बुध	28/02/2035
केतु	17/03/2036
शुक्र	18/03/2039
सूर्य	09/02/2040
चन्द्र	10/08/2041
मंगल	29/08/2042

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

23:51:05 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:29

लग्न-चलित

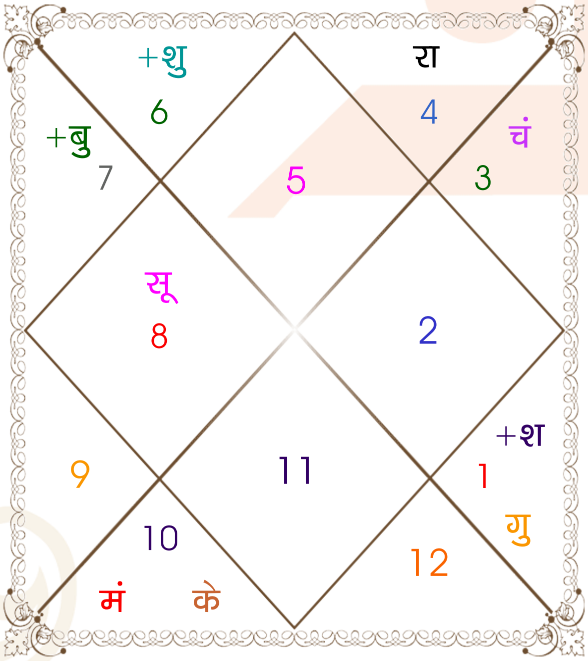

लग्न-चलित

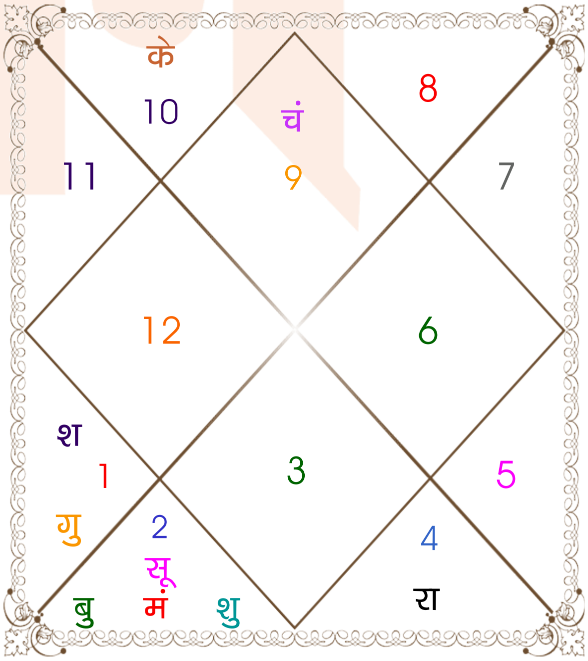

Astro.Pt.Premshankar Sharma
Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

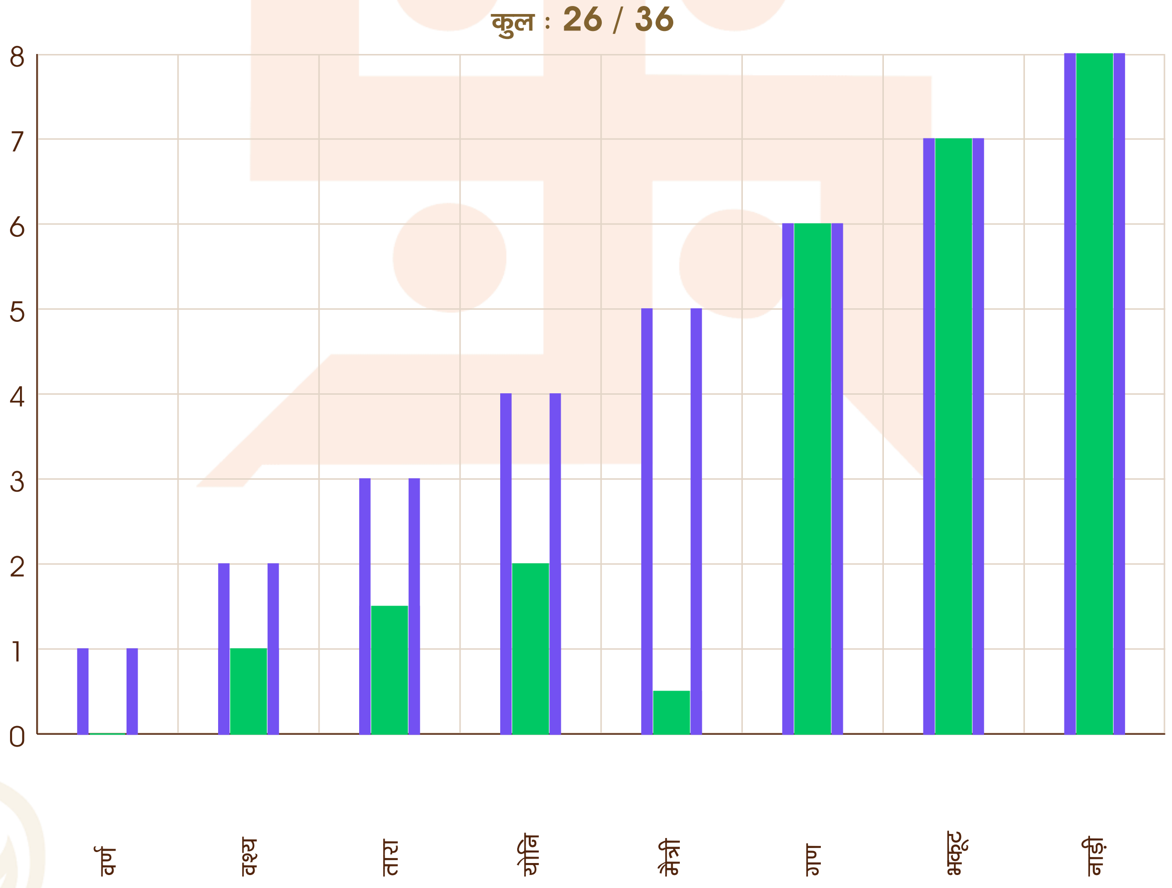

Astro.Pt.Premshankar Sharma
Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com

अष्टकूट मिलान

ळंनतंअॅ ीनासं का वर्ग मार्जार है तथा Priti Mishra का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ळंनतंअॅ ीनासं और Priti Mishra का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ळंनतंअॅ ीनासं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Priti Mishra मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

ळंनतंअॅ ीनासं तथा Priti Mishra में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Astro.Pt.Premshankar Sharma
Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

ळंनतंअ ॅनासं का वर्ण शूद्र है तथा Priti Mishra का वर्ण क्षत्रिय है। इसमें Priti Mishra का वर्ण ळंनतंअ ॅनासं के वर्ण से नीचा नहीं है अतः यह मिलान उत्तम मिलान नहीं है। जिसके कारण Priti Mishra अति वर्चस्वशाली होगी तथा सिर्फ आज्ञा देने वाली होगी। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं तर्क-वितर्क का दौर चलता रह सकता है तथा दोनों के बीच कभी-कभी मार-पीट भी हो सकती है। Priti Mishra का आक्रामक व्यवहार परिवार के सभी सदस्यों का जीना दूभर कर सकता है। परिवार में सुख-शान्ति की स्थापना के लिए ळंनतंअ ॅनासं को उसकी हर बात माननी होगी तथा गुलाम की भाँति रहना पड़ेगा।

वश्य

ळंनतंअ ॅनासं का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Priti Mishra का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप ळंनतंअ ॅनासं एवं Priti Mishra दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। Priti Mishra अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले में ळंनतंअ ॅनासं अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

तारा

ळंनतंअ ॅनासं की तारा प्रत्यरि तथा Priti Mishra की तारा साधक है। ळंनतंअ ॅनासं की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। विवाह के उपरांत ळंनतंअ ॅनासं कालांतर में बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं नैतिक पतन का शिकार हो सकता है। उसके अवैध संबंध भी हो सकते हैं। परिणामस्वरूप Priti Mishra को काफी कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। भविष्य में तनाव, निराशा, अवसाद एवं पीड़ा के कारण उसका झुकाव अध्यात्म की ओर हो सकता है।

योनि

ळंनतंअ ॅनासं की योनि श्वान है तथा Priti Mishra की योनि वानर है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध

संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ळंनतंअ ैिनासं का राशि स्वामी Priti Mishra के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Priti Mishra का राशि स्वामी ळंनतंअ ैिनासं के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

ळंनतंअ ैिनासं का गण मनुष्य तथा Priti Mishra का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। ं तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भकूट

ळंनतंअ ैिनासं एवं Priti Mishra की राशियां एक दूसरे से सम सप्तक (1/7) हैं। जिसके कारण इस मिलान को अति उत्तम मिलान माना जाता है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान अति शुभ है तथा ळंनतंअ ैिनासं व Priti Mishra को शांति, सुख, सौभाग्य, समृद्धि, योग्य संतान एवं चतुर्दिक विकास के अवसरसमय-समय पर मिलते रहेंगे। साथ ही दोनों के बीच असीम प्यार बना रहेगा तथा दोनों हर कार्य में एक-दूसरे की मदद करते रहेंगे।

Astro.Pt.Premshankar Sharma
Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com

नाड़ी

ळंनतंअ ैनासं की नाड़ी आद्य है तथा Priti Mishra की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का मिलान अति उत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें जीवन के तीन आवश्यक घटकों में से दो वात एवं पित्त का समन्वय है। जीवन के अस्तित्व के लिए वात एवं पित्त का समन्वय आवश्यक है। जिसके कारण आपकी संतान काफी बुद्धिमान, स्वस्थ, मानसिक रूप से दृढ़ एवं सौभाग्यशाली होंगी। जो भौतिकवादी विश्व में सुविधा संपन्न जीवन जीने के लिए आवश्यक है।

Astro.Pt.Premshankar Sharma
Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

ळंनतंअ ौनासं की जन्म राशि वायुतत्व युक्त मिथुन राशि है तथा Priti Mishra की अग्नितत्व युक्त धनु राशि है। वायु एवं अग्नि तत्व की नैसर्गिक मित्रता होने के कारण ळंनतंअ ौनासं और Priti Mishra के मध्य सामाजिक रूप से समानताएं विद्यमान रहेंगी तथा एक दूसरे को समझने तथा आदर प्रदान करके मधुर संबधों को स्थापित करके आनंदमय जीवन व्यतीत करेंगे अतः मिलान सामान्यतया अच्छा रहेगा।

ळंनतंअ ौनासं की राशि का स्वामी बुध तथा Priti Mishra की जन्म राशि का स्वामी बृहस्पति परस्पर शत्रु एवं समभाव में है। अतः ळंनतंअ ौनासं और Priti Mishra के मध्य यदा कदा मतभेद भी उत्पन होगें तथा परस्पर वाद विवाद की संभावना रहेगी जिससे संबंधों मे अल्प समय के लिए तनाव उत्पन होगा। चूंकि बुध और बृहस्पति दोनो बुद्धि के प्रतीक ग्रह है अतः बुद्धिमता पूर्वक आपस मे समझौते की सम्भावना रहेगी तथा अप्रिय स्थिति से दोनों सुरक्षित रहेंगे।

ळंनतंअ ौनासं और Priti Mishra की राशियाँ परस्पर सप्तम से सप्तम भाव में पड़ती है। अतः यह शुभ भकूट है। इसके प्रभाव से परस्पर मधुर एवं आदर्श सम्बंधों की स्थापना होगी तथा एक दूसरे के सम्मान और अस्तित्व को स्वीकृत करके परस्पर प्रेम पूर्वक रहेंगे। साथ ही दोनों के जीवन मूल्यों एवं अभिरूचियों मे भी समानता रहेगी।

ळंनतंअ ौनासं का वश्य मानव तथा Priti Mishra का वश्य चतुष्पद है। मानव एवं चतुष्पद में नैसर्गिक विषमता एवं शुभता का भाव रहता है। अतः ळंनतंअ ौनासं और Priti Mishra की अभिरूचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विभिन्नता होगी फलतः दाम्पत्य संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में अल्प मात्रा में ही सफल होंगे जिससे जीवन विशेष सुखमय नहीं रहेगा।

ळंनतंअ ौनासं का वर्ण शूद्र एवं Priti Mishra का वर्ण क्षत्रिय है। इसके प्रभाव से ळंनतंअ ौनासं एक कर्तव्यपरायण एवं परिश्रमी पुरूष होंगे तथा किसी भी कार्य को करने के लिए उद्यत रहेंगे। परन्तु Priti Mishra की प्रवृति पराक्रमी एवं परिश्रमी कार्य करने में रहेगी तथा स्वभाव मे तेजस्विता का भाव भी रहेगा।

धन

ळंनतंअ ौनासं और Priti Mishra दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य

जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

ळंनतंअ ैनासं की नाड़ी आद्य तथा Priti Mishra की नाड़ी मध्य है। अतः यह मिलान नाड़ी दोष से मुक्त रहेगा। इसके प्रभाव से दोनों शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगे तथा सुख पूर्वक अपना दाम्पत्य जीवन व्यतीत करने में सफल होंगे। साथ ही ळंनतंअ ैनासं और Priti Mishra के स्वास्थ्य पर मंगल का भी कोई दुष्प्रभाव नहीं है जिससे दोनों सामान्यतया स्वस्थ ही रहेंगे। इस प्रकार यह मिलान उत्तम रहेगा। इसके अतिरिक्त अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को परिश्रम तथा पराक्रम से सम्पन्न करेंगे जिससे जीवन में खुशहाली तथा सन्तुष्टि बनी रहेगी।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से ळंनतंअ ैनासं और Priti Mishra का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त ळंनतंअ ैनासं और Priti Mishra के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Priti Mishra के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Priti Mishra को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Priti Mishra को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से ळंनतंअ ैनासं और Priti Mishra सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार ळंनतंअ ैनासं और Priti Mishra का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Priti Mishra के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद Priti Mishra अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का

भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से Priti Mishra पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Priti Mishra अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

ळंनतंअ ैनासं के अपनी सास से संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण इनमें विचार वैभिन्यता रहेगी लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का व्यवहार करें तो उपरोक्त मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा संबधों में वृद्धि के भी अवसर बनेंगे।

साथ ही ससुर से भी परस्पर संबधों में विवाद तथा तनाव युक्त वातावरण रहेगा जिससे न ही ळंनतंअ ैनासं उनको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे तथा वे भी इन्हें विशेष अपनत्व तथा स्नेह का भाव अल्प ही प्रदान करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों से संबध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर स्नेह सहयोग तथा सहानुभूति का भाव रहेगा। इनके संबधों में मित्रता का भाव भी रहेगा जिससे परस्पर मुक्त भाव से वार्तालाप होता रहेगा। इस प्रकार ससुराल वालों का दृष्टिकोण ळंनतंअ ैनासं के प्रति अनुकूल रहेगा तथा उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में नित्य प्रयत्नशील रहेंगे।

Astro.Pt.Premshankar Sharma
Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com